Code No. : 2017

B. A. (Part II) Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper First

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

नोट : **इस प्रश्न**-पत्र के तीन खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से **निर्देशानुसार** उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। प्रत्येक व्याख्या लगभग 200 शब्दों में होनी चाहिए : $10 \times 3 = 30$

P. T. O.

https://www.suksn.com

(क) तुम अन्तर्यामी हो, सर्वशक्तिमान हो, दीनों के रक्षक हो और तुम्हारी आँखों के सामने यह अन्धेर ! इस जगत् का नियन्ता कोई नहीं है। कोई दयामय भगवान सृष्टि का कर्त्ता होता, तो यह अत्याचार न होता। अच्छे सर्वशक्तिमान हो। क्यों नरपिशाचों के हृदय में नहीं बैठ जाते, या वहाँ तुम्हारी पहुँच नहीं है। कहते हैं यह सब भगवान की लीला है। अच्छी लीला है। अगर तुम्हें भी ऐसी ही लीला में आनन्द मिलता है, तो तुम पशुओं से भी गये-बीते हो, अगर तुम्हें इस व्यापार की खबर नहीं है, तो फिर सर्वव्यापी क्यों कहलाते हो ?

(ख) यही हमारी पश्चिमी शिक्षा का आदर्श है। जिसकी तारीफों के पुल बाँधे जाते हैं। यदि ऐसे शिक्षालयों से पैसे पर जान देने वाले, पैसे के लिए गरीबों

https://www.suksn.com

का गला काटने वाले, पैसे के लिए अपनी आत्मा को बेचने वाले छात्र निकलते हैं तो आश्चर्य क्या है?

(ग) अरे मेरे भोले भइया-तू पानी के बहाव को न देखकर उसके ऊपर तैरने वाले मैल को क्यों देख रहा है? बहाव देख, बहाव! यह मैल तो लहरों के थपेड़ों से आप ही आप बह जायेगा।

(घ) जैसे चुटकी में डोर सधी होने पर पतंग को आकाश में चाहे कहीं भी विचरे, कोई बाधा नहीं पहुँचती, वैसे ही अपने इष्ट से सधकर भाव की डोर में बँधी हुई मन पतंग को सारे आकाश में उड़ाओ, सब देवों के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करो तो तुम्हारा इष्ट भी सर्वव्यापी और सर्वसामर्थ्यवान के रूप में अपने आपको प्रकट करेगा।

P. T. O.

https://www.suksn.com

यह राँड़ पछुआ न जाने कहाँ से बरफ लिए आ रही है। उठूँ, फिर एक चिलम भरूँ। किसी तरह रात तो कटे! आठ चिलम तो पी चुका। यह खेती का मजा है! और एक एक भगवान ऐसे पड़े हैं, जिनके पास जाड़ा जाय तो गर्मी से घबड़ा कर भागे। मोटे-मोटे गद्दे, लिहाफ, कम्बल। मजाल है, जाड़े का गुजर हो जाय। तकदीर की खूबी है। मजूरी हम करें, मजा दूसरे लूटें।

(च) "सरकार! बूढ़ों से सुने हुए वे नवाबी के सोने-से दिन, अमीरों की रँगरेलियाँ, दुःखड़े की दर्द भरी आहें, रंग-महलों में घुल-घुलकर मरने वाली बेगमें, अपने आप सिर में चक्कर काटती रहती हैं। मैं उसके पागलपन को भूलने के लिए शराब पीने लगता हूँ—सरकार! नहीं तो यह बुरी बला को न अपने गले लगाता।"

https://www.suksn.com

खण्ड—ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं *तीन* प्रश्नों के उत्तर लगभग 600-600 शब्दों में दीजिए। $15 \times 3 = 45$

2. " 'कर्मभूमि' एक समस्या प्रधान उपन्यास है।" इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तर्क प्रस्तुत कीजिए।

3. 'कर्मभूमि' उपन्यास में कौन-सा नारी पात्र आपको सबसे अधिक प्रभावित करता है और क्यों? सतर्क उत्तर दीजिए।

4. 'मानस का हंस' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

5. 'मानस का हंस' उपन्यास के आधार पर गोस्वामी तुलसीदास का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. कहानी कला की दृष्टि से 'उसने कहा था' अथवा 'मधुआ' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

https://www.suksn.com

7. नई कहानी की विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए 'वापसी' अथवा 'दिल्ली में एक मौत' कहानी की समीक्षा कीजिए।

खण्ड—ग

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। $5 \times 5 = 25$

8. (क) 'प्रायश्चित' कहानी सामाजिक रूढ़ियों को उजागर करती है। स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'परमात्मा का कुत्ता' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) "अमरकान्त की कहानियाँ उनकी अनुभूति की प्रामाणिकता का दस्तावेज हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(घ) 'दोपहर का भोजन' कहानी की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

https://www.suksn.com

(ङ) मन्नू भण्डारी की कहानी-कला पर प्रकाश डालिए।

(च) 'फैंस के इधर और उधर' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

(छ) 'आर-पार की माला' कहानी के शिल्प पर प्रकाश डालिए।

(ज) 'यन्त्र-मानव' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

https://www.suksn.com